कलयुग की आंधी | By Rakesh Bawra

देख तेरे संसार में क्या क्या हो रहा है
भाई भाई को कांटे बो रहा है

रिश्तो की कीमत यहाँ पल पल घटती जाती है
गली गली में बहु बेटियों की इज़्ज़त लूटी जाती है
रिश्तो की पहचान इंसान खो रहा
भाई भाई को कांटे बो रहा

मंदिर मस्जिद गुरुद्वारों ने तुमको बाँट दिया है
प्रेम की सच्ची डोरी को मज़हब ने काट दिया है
कपडे रंग कर पापी चैन से सो रहा है
भाई भाई को कांटे बो रहा

धरती पर फिर पाप बढ़ा अवतार लेकर आ जाओ
गीता गंगा गौ गौरी की प्रभु तुम लाज बचा जाओ
कहे दीप राकेश तेरा अब रो रहा है
भाई भाई को कांटे बो रहा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%b2%e0%a4%af%e0%a5%81%e0%a4%97-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%82%e0%a4%a7%e0%a5%80-by-rakesh-bawra/